P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-3* ISSUE-5* August- 2018
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

उत्तर प्रदेश की पर्यटन नीति तथा उपलब्धियां

प्रदीप कुमार गर्ग
वरिष्ठ प्राध्यापक,
वाणिज्य विभाग,
एम.एम. कॉलेज,
मोदीनगर, यू.पी.

मयंक मोहन
सहायक प्राध्यापक,
अर्थशास्त्र विभाग,
एम.एम. कॉलेज,
मोदीनगर, यू.पी.

सारांश

पर्यटन उद्योग से तात्पर्य किसी भी पर्यटन स्थान पर आये पर्यटकों को सुविधा प्रदान कर उनसे आय प्राप्त करना है। यहाँ आय प्राप्त करने से आशय सरकार द्वारा मुख्यतः लाभ कमाना नहीं होता क्योंकि यह तो एक गौण कार्य है, किन्तु पर्यटकों से धन लेने का मुख्य कारण उस पर्यटन स्थल की साज–सज्जा एवं व्यवस्था को बनाये रखने के लिये धन की व्यवस्था करना होता है। पर्यटन उद्योग के अन्तर्गत इस बात का भी विशेष ध्यान रखा जाता है कि जो सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरें हैं उन्हें किसी तरह की क्षति पहुँचे बिना देशी एवं विदेशी पर्यटकों को देश की संस्कृति एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके। पर्यटन उद्योग की उपरोक्त विवेचना तो सिक्के का एक पहलू थी। सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि पर्यटन उद्योग का दर्जा मिलते ही यहाँ उद्योग शब्द की सार्थकता स्पष्ट हो जाती है। किसी भी पर्यटन स्थल पर सरकार द्वारा पर्यटकों से जो भी धन कर अथवा शुल्क के रूप में वसूला जाता है वह तो वहाँ के रखरखाव को देखते हुए नाम–मात्र का ही होता है किन्तु उस पर्यटन स्थल की वजह से वहाँ के आस–पास के लोगों तथा स्थानीय निवासियों को रोजगार भी प्राप्त होता है। इससे राष्ट्र की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है तथा राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि होती है।

इस प्रकार पर्यटन उद्योग न केवल राष्ट्रीय आय में वृद्धि का माध्यम है वरन् इसके द्वारा बड़ी मात्रा में रोजगार सृजन किया जाना भी संभव है। उत्तर प्रदे"ा के ऐतिहासिक महत्व तथा यहाँ के विभिन्न शहरों के प्राकृतिक सौन्दर्य को देखते हुये यहाँ पर पर्यटन उद्योग के विकास की असीम संभावनायें दिखायी देती हैं तथा इस क्षेत्र में रोजगार सृजन के भी पर्याप्त अवसर प्रतीत होते हैं, इसके लिये केवल कु"ाल नियोजन तथा दृढ़ इच्छा शक्ति की आव"यकता है। यद्यपि उत्तर प्रदे"ा सरकार द्वारा इस दि"ाा में पर्याप्त प्रयास किये भी गये है परन्तु अभी भी उत्तर प्रदे"ा पर्यटन उद्योग की रोजगार उत्पादक क्षमता के पूर्ण विदोहन के लिये बहुत कुछ किया जाना संभव है।

मुख्य शब्द : उत्तर प्रदे"ा की पर्यटन नीति।

प्रस्तावना

पर्यटन नीतियों की अवधारणा

किसी कार्य को भविष्य में समुन्नत बनाने के लिये अपने पूर्वानुभवों का आकलन करके तथा वर्तमान साधनों को ध्यान में रखते हुये योजनाएं तैयार करनी पड़ती हैं ताकि भविष्य में नई दि"ाा देकर उस कार्य को और अधिक विकसित किया जा सके। इसीलिये उत्तर प्रदे"ा के पर्यटन उद्योग को प्रदे"ा की अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग बनाने के लिये विभिन्न पर्यटन नीतियों के निर्माण समय–समय पर होता रहा है।

अधिका"ा पर्यटन नीतियां केन्द्र पर्यटन मंत्रालय द्वारा ही तैयार की जाती है तथा वे समय, परिस्थिति एवं साधनों को ध्यान में रखकर विभिन्न राज्यों में लागू कर दी जाती हैं। विभिन्न राज्यों में चलने वाली भिन्न–भिन्न पर्यटन नीतियों के मुख्य लक्ष्य लगभग एक समान होते हैं जो कि केन्द्र पर्यटन मंत्रालय द्वारा पूर्व में ही निर्धारित कर दिये जाते हैं। केन्द्र पर्यटन मंत्रालय द्वारा तैयार की गयी पर्यटन नीतियों को राज्यों के पर्यटन मुख्यालयों द्वारा अपने राज्य के परिवे"ा, वातावरण तथा साधनों के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुये लागू करना होता है।

उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में पर्यटन उद्योग का महत्व

पर्यटन उद्योग की संभावनाओं से भरपूर किसी भी प्रदे"ा के आर्थिक विकास में पर्यटन उद्योग का वि"ोष महत्व होता है। दे"ा के लाखों लोग प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से इस उद्योग के माध्यम से रोजगार प्राप्त करते हैं। प्रदे"ा

को अर्जित विदे"ाी पूंजी का एक बड़ा भाग पर्यटन द्वारा ही प्राप्त होता है। जो भी प्रदे"ा अपने आप में पर्यटन योग्य क्षमता रखता है उसके आर्थिक विकास में पर्यटन उद्योग की एक स"ाक्त भूमिका होती है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण यूरोप के बीचोंबीच बसा बहुत छोटा सा दे"ा स्विट्जरलैंड है जो कि सभी बड़े दे"ाों से जुड़ा है। यहाँ की तस्वीर सी दिखने वाली पहाड़ियाँ, हरे–भरे बाग–बगीचे, खूबसूरत झीलें और आका"ा को छूते पर्वतीय शिखरों की सुंदरता पर्यटकों तथा फिल्म व्यवसाय से जुड़े व्यक्तियों को बार–बार अपनी ओर आकर्षित करती है। इस दे"ा के राष्ट्रीय आर्थिक विकास का मुख्य आधार ही पर्यटन उद्योग है।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन उद्योग के विकास की सम्भावनायें

उत्तर प्रदे"ा पर्यटन की दृष्टि से एक अत्यधिक महत्वपूर्ण राज्य माना जा सकता है। यहां की सुदृढ संस्कृति, अनूठी कला, गौरवमय इतिहास, यहां की स्वस्थ परम्पराएं, भौगोलिक विविधताएं आदि पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने की पूरी क्षमता रखते हैं। पर्यटकों को देने की दृष्टि से यहां इतनी अधिक क्षमतायें है जिसकी एक पर्यटक कल्पना भी नहीं कर सकता है।

पर्यटन के बढ़ते महत्व को देखते हुए इसकी समस्याओं के अविलम्ब समाधान के लिये पर्यटन मंत्रालय द्वारा अनेक प्रयास किये जा रहे हैं, जिसके निकट भविष्य में अच्छे परिणाम प्राप्त होने की संभावना है। होटलों की कमी को देखते हुए निजी उद्यमियों की भागीदारी से नये होटला के निर्माण पर बल दिया जा रहा है। इस सम्बन्ध में अनेक विदे"ाी होटल श्रृंखलाओं व अप्रवासी भारतीयों के साथ मिलकर युद्ध स्तर पर होटल निर्माण के कार्य को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

विगत तीन द"ाकों से तीव्र गति से पर्यटन उद्योग का महत्व बढ़ रहा है तथा आने वाले समय में यह वि"व का सर्वाधिक महत्वपूर्ण उद्यम होगा। अतः आव"यकता इस बात की है कि हम इस उद्योग के महत्व को समझें। जहां तक पर्यटन की दृष्टि से उत्तर प्रदे"ा का प्र"न है यह बात निःसन्देह कही जा सकती है कि यहां पर पर्यटन विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। आव"यकता इस बात की है कि हम इस उद्योग में आने वाली कठिनाइयों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर उन्हें दूर करने का प्रयास करें। आव"यकता पर्यटन के सम्बन्ध में सही दि"ाा–निर्दे"ान व नीति–निर्माण की है। आव"यकता 'पर्यटकों का स्वर्ग–भारत' के सपने को साकार करने की है।

अध्ययन का उद्देश्य

पयटन एक ऐसा विषय था जो कि लगभग 6 द"ाक पूर्व तक अनियोजित कार्यक्रमों की सूची में शामिल था। भारत में पंडित जवाहर लाल नेहरू ने पर्यटन के लिये योजनाएं तैयार करने की नींव रखी जिनमें प्रथम पंचवर्षीय योजना से लेकर वर्तमान की 12वीं पंचवर्षीय योजना तक अनवरत् सुधार होता चला आ रहा है अब जबकि पर्यटन एक उद्योग के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुका है तो इसको विकसित करने के लिये अनेकों महत्वपूर्ण योजनाएं तथा नीतियां सिर्फ पर्यटन को ध्यान में रखकर ही बनायी जाने लगी हैं क्योंकि पर्यटन उद्योग न केवल राष्ट्रीय आय में वृद्धि का माध्यम है वरन् इसके द्वारा बड़ी मात्रा में रोजगार सृजन किया जाना भी संभव है। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक महत्व तथा यहाँ के विभिन्न शहरों के प्राकृतिक सौन्दर्य को देखते हुए यहाँ पर पर्यटन उद्योग के विकास की असीम संभावनायें दिखायी देती हैं तथा इस क्षेत्र में रोजगार सृजन के भी पर्याप्त अवसर प्रतीत होते हैं। यद्यपि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस दिशा में पर्याप्त प्रयास किये भी गये हैं परन्तु अभी भी उत्तर प्रदेश पर्यटन उद्योग की रोजगार उत्पादक क्षमता के पूर्ण विदोहन के लिये बहुत कुछ किया जाना सम्भव है। पर्यटन उद्योग की तीव्र वृद्धि दर तथा इसके विस्तार की असीम संभावनाओं को देखते हुये यह आवश्यक प्रतीत होता है कि भारत सरकार द्वारा पर्यटन उद्योग के निर्बाध विकास के लिये यथासंभव प्रयास किये जायें।

शाध–अध्ययन का महत्व

उत्तर प्रदे"ा का ऐतिहासिक महत्व किसी से छिपा हुआ नहीं है जो पयटक इतिहास को वर्तमान में जिने की इच्छा रखते हैं उनके लिये उत्तर प्रदे"ा एक सुलभ साधन हैं। रामायण कालीन अयोध्या हो अथवा द्वापर युग की मथुरा हो या फिर महाभारत कालीन हस्तिनापुर हो और उसके बाद चलें तो मुगलकालीन यादें हो या फिर बिट्रि"ा शासन के अव"ोष हों उत्तर भारत पर्यटन उद्योग ने उपरोक्त सभी धरोहरों को अपने आप में सहेज कर रखा है। उत्तर प्रदे"ा का यह उद्योग तीव्र गति से विकसित होते उद्योगों में से एक है तथा विदे"ाी मुद्रा अर्जित करने का एक प्रमुख माध्यम भी है। उत्तर प्रदे"ा के पर्यटन उद्योग का भारत की राष्ट्रीय आय में भी एक महत्वपूर्ण योगदान है। इस प्रकार पर्यटन उद्योग न केवल राष्ट्रीय आय में वृद्धि का माध्यम है वरन् इसके द्वारा बड़ी मात्रा में रोजगार सृजन किया जाना भी संभव है। उत्तर प्रदे"ा के ऐतिहासिक महत्व तथा यहाँ के विभिन्न शहरों के प्राकृतिक सौन्दर्य को देखते हुए यहाँ पर पर्यटन उद्योग के विकास की असीम संभावनायें दिखायी देती हैं तथा इस क्षेत्र में रोजगार सृजन के भी पर्याप्त अवसर प्रतीत होते हैं। इसके लिये केवल कु"ाल नियोजन तथा दृढ़ इच्छा–"ाक्ति की आवश्यकता है। यद्यपि उत्तर प्रदे"ा सरकार द्वारा इस दि"ाा में पर्याप्त प्रयास किये भी गये हैं परन्तु अभी भी उत्तर प्रदे"ा पर्यटन उद्योग की रोजगार उत्पादक क्षमता के पूर्ण विदोहन के लिये बहुत कुछ किया जाना सम्भव है।

उत्तर प्रदेश सरकार की पर्यटन नीति

उत्तर प्रदे"ा में पर्यटन की अपार सम्भावनाएं हैं। यहां वर्ष 1997-98 में पर्यटन को उद्योग का दर्जा प्रदान कर दिया गया था किन्तु जो औद्योगिक सुविधाएं किसी उद्योग को प्राप्त होनी चाहिये वह इस उद्योग को प्राप्त नहीं थी। किन्तु समय के साथ राज्य सरकार द्वारा इस उद्योग के विकास की ओर समुचित ध्यान दिया जाने लगा तथा विभिन्न नीतियों एवं योजनाओं के माध्यम से इसका विकास किया जाने लगा। उत्तर प्रदे"ा सरकार की पर्यटन नीति को निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर स्पष्ट किया जा सकता है–

1. प्रदे"ा की नई पर्यटन नीति को बढ़ावा देने के लिए अपनाई गई रणनीति बाजारोन्मुख तथा बहुआयामी है।
2. इस रणनीति के तहत पर्यटन नीति विकास के लिए आव"यक अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की व्यापक सहभागिता सुनि"चत की जाएगी।
3. निजी क्षेत्र से पर्याप्त पूंजी–निवे"ा सुनि"चत करने के लिए अनिवासी भारतीयों को वि"ोष महत्व दिया जाएगा।
4. सांस्कृतिक, धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विकास, संरक्षण एवं रख–रखाव हेतु 'विकास निधि' का गठन किया जाएगा।
5. नई पर्यटन नीति के अन्तर्गत पर्यटन उद्योग में पूंजी–निवे"ा को बढ़ावा देने, गुणवत्ता तथा उत्पाद उपलब्ध कराने वाली पर्यटन इकाईयों की स्थापना को प्रेरित करने के लिए उद्यमियों को औद्योगिक इकाइयों की भांति अनेक प्रकार के प्रोत्साहनों की व्यवस्था की गई है।
6. होटलों में 1000 रुपए से कम किराए वाले कक्षों पर सुख–साधन कर आरोपित नहीं होगा।
7. प्रदे"ा की सभी मान्यता प्राप्त पर्यटन इकाईयों को उनके संचालन की तिथि स 5 वर्ष तक सुख–साधन कर से पूर्णरूपेण मुक्ति अथवा डिफरमेण्ट की सुविधा प्रदान की जा रही है।
8. प्रदे"ा में स्थापित किए जाने वाले नए रोप–वे पर संचालन की तिथि से 5 वर्ष तक मनोरंजन कर से पूर्ण मुक्ति अथवा डिफरमेंट की सुविधा प्रदान की जा रही है।
9. प्रदे"ा में मान्यता प्राप्त इकाईयों में संचालित किए जाने वाले रेस्टोरेण्ट पर संचालन की तिथि से 5 वर्ष तक व्यापार–कर से पूर्ण मुक्ति अथवा डिफरमेण्ट की सुविधा प्रदान की जा रही है।
10. जिन पर्यटन इकाइयों में केबिल आपरेटर द्वारा अथवा स्वयं के डि"ा एंटिना द्वारा टेलीविजन कार्यक्रम प्रदर्"ति किए जाते हैं, उन पर मनोरंजन कर का निर्धारण किए जाने हेतु कम्पाउन्डिंग प्रणाली प्रारम्भ की गई है।
11. घरेलू–अतिथि योजना (पेइंग गेस्ट स्कीम) के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त 5 कक्ष (दस शैय्याओं) तक की सभी इकाइयां व्यापार–कर से पूर्ण रूप से मुक्त की गई हैं।
12. प्रदे"ा में सभी वर्तमान एवं नए मनोरंजन पार्कों को मनोरंजन कर से पूर्णतः मुक्त रखा गया है।
13. राज्यपाल ने 23 अप्रैल, 2001 को राज्य में पर्यटन पुलिस के गठन का अध्यादे"ा जारी किया है।
14. सरकार ने 'प्रयागराज' (इलाहाबाद) को प्रमुख तीर्थ एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की एक महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। इसके अन्तर्गत गंगा की धारा को शास्त्री पुल के पास से मोड़कर सीधे किला घाट पर लाकर यमुना में गिराया जाएगा। शास्त्री पुल से किला घाट तक तथा संगम स्थल तक पक्का घाट बनाया जाएगा।
15. राज्य सरकार ने प्रदे"ा में जल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जलयान (ि"ापिंग) योजना मंत्रालय के अधीन भारतीय अन्तर्दे"ाीय जलमार्ग प्राधिकरण (आई.डब्ल्यू.ए. आई.) के साथ सहयोग करने का निर्णय लिया है।
16. राज्य में पर्यटन क्षेत्र में निवे"ा को प्रोत्साहित करने के लिए पर्यटन इकाईयों को कार्य प्रारम्भ करने की तिथि से 5 वर्ष तक विलासिता कर से मुक्त रखा गया है। धार्मिक केन्द्रों पर स्थापित रोप वे मनोरंजन कर से पूर्णतः मुक्त कर दिए गए हैं जबकि अन्य केन्दों पर इन्हें कार्य प्रारम्भ करने की तिथि से 5 वर्ष के लिए मनोरंजन कर से मुक्त रखा गया है। नई पर्यटन इकाइया व इनके रस्तरांओं को 5 वर्ष के लिए व्यापार कर से भी मुक्त किया गया।
17. राज्य सरकार ने पर्यटन को प्रमुख व्यवसाय के रूप मे विकसित करने हेतु **'राज्य पूंजी निवे"ा उपादान योजना'** को स्वीकृति प्रदान की हुई है। इस योजना के अन्तर्गत पर्यटन इकाइयों को उनकी परियोजना लागत की 15% अथवा 7.50 लाख रुपए, जो भी कम हो, राज्य सहायता के रूप में प्रदान की जाएगी।

पर्यटन उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए उपरोक्त योजनाओं के अतिरिक्त प्रदे"ा सरकार ने होटल उद्योग में अधिक निवे"ा को आकर्षित करने के उद्दे"य से नयी नीति का निर्धारण किया है जिसका वर्णन निम्न प्रकार है-

पर्यटन उद्योग में होटल व्यवसाय के महत्व को देखते हुये पर्यटन मंत्रालय ने होटल व्यवसाय को विकसित करने के लिए कुछ नीतियों का निर्धारण बिन्दुवार किया है जो इस प्रकार है–

1. औद्योगिक विकास विभाग द्वारा जब अपनी योजनायें बनायी जायें तो उनक द्वारा भी होटलों के लिए आव"यक भूमि का निर्धारण उचित स्थान पर किया जाये।
2. नये होटलों को प्रारम्भ करने की तिथि से सुख–साधन कर में शत–प्रति"ात की छूट अगले पांच वर्षों तक दी जाये। अन्य छूट उद्योग नीति के अनुसार अनुमन्य होगी।
3. होटल उद्योग हेतु निर्धारित भूमि का आवंटन केवल पर्यटन उद्यमी को किया जायेगा।
4. आवेदक उद्यमी का चरित्र सत्यापन भी कराया जायेगा कि वह आपराधिक छवि का न हो तथा सालवेन्सी प्रमाण-पत्र भी प्राप्त किया जायेगा।
5. आवेदक उद्यमी/संस्था एक नगर में एक से अधिक भूखण्ड नहीं प्राप्त कर सकेंगे।
6. होटल हेतु भूमि का चिन्हांकन करने के उपरान्त उन्हें औद्योगिक दर पर होटल/पर्यटन उद्यमियों को उपलब्ध कराने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जायेंगे। आवेदन के लिए पात्रता की शर्त निम्नानुसार होंगी–
7. आवदेन केवल ऐसी कम्पनियों/संस्थाओं द्वारा किये जायेंगे जो पंजीकृत हों तथा होटल व्यवसाय से जुड़ी हुई हों और उसका उन्हें पूर्व अनुभव हो।

पात्रता की शर्तें

5 स्टार तथा अन्य स्तरीय परियोजना

पिछले तीन वर्ष में 100 रुपये करोड़ या उससे अधिक का औसत टर्नओवर, नेटवर्थ धनात्मक हो एवं होटल व्यवसाय में न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव हो।

4 स्टार तथा अन्य स्तरीय परियोजना

पिछले तीन वर्ष में 75 रुपये करोड़ या उससे अधिक का औसत टर्नओवर, नेटवर्थ धनात्मक हो एवं होटल व्यवसाय में न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव हो।

3 स्टार तथा अन्य स्तरीय परियोजना

पिछले तीन वर्ष में 50 रुपये करोड़ या उससे अधिक का औसत टर्नओवर, नेटवर्थ धनात्मक हो एवं होटल व्यवसाय में न्यूनतम 5 वर्ष का अनुभव हो।

उन प्राधिकरणों जिनमें औद्योगिक भूखण्ड की व्यवस्था है उनके यहां वर्तमान में अपनायी जा रही प्रक्रिया के अनुसार औद्योगिक भूखण्डों का आबंटन एक से अधिक आवेदक होने की स्थिति में आवेदकों के मध्य उनकी उपयुक्ता के आधार पर किया जाता है। यह उपयुक्ता उनकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट आदि के परीक्षण के आधार पर आंकी जाती है। होटल भूखण्ड को पात्र आवेदकों के मध्य आवंटन उनके अनुभव, टर्नओवर एवं नेटवर्थ के आधार पर किया जायेगा और पात्र आवेदकों का मूल्यांकन अवरोही क्रम में रखकर किसी एक शहर में उपलब्ध कराये जा रहे होटल भूखण्डों के लिए उनको प्राथमिकता के आधार पर भूखण्ड आवंटित किया जा सकता है। यह मूल्यांकन 5–स्टार (व उच्चतर), 4–स्टार तथा 3–स्टार श्रेणियों के लिए अलग–अलग किया जा सकता है। अगर दो के एक समान अंक आते हैं तो समान अंक वाले के बीच लाटरी द्वारा आवंटन होगा।

भूमि के आवंटन हेतु यदि एक से अधिक उद्यमी/कम्पनियों और किसी कम्पनी/कनसार्टियम का गठन किया जाता है तो कनसार्टियम के लीड मेम्बर को पात्रता की सभी शर्तें स्वयं में पूरी करनी होगी एवं जो अंक दिये जायेंगे वे लीड मेम्बर की पात्रता के आधार पर ही दिये जायेंगे। लीड मेम्बर वही होगा जिसकी कनसर्टियम में सिंगिल लार्जेस्ट शेयर होल्डिंग हो।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की उपलब्धियाँ

उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश में पर्यटन उद्योग ने महत्वपूर्ण सफलतायें प्राप्त की हैं जिसके कारण देशी एवं विदेशी पर्यटकों के बीच यहां के पर्यटन स्थल और अधिक लोकप्रिय हो गये हैं। पिछले कुछ वर्षों में पर्यटन विभाग द्वारा निम्नलिखित उपलब्धियां प्राप्त की गयी हैं–

1. ताजमहल जैसी धरोहर के कारण विश्व में उत्तर प्रदेश की अलग पहचान होती है। इस भव्य स्मारक ने अपने गौरवशाली 350 वर्ष पूर्ण किये जिसके कारण उत्तर प्रदेश निश्चित रूप से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर गौरवान्वित हुआ। इतिहास, कला–शिल्प और पर्यटन उद्योग की दृष्टि से इस तथ्य के महत्व को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पूरे वर्ष को ''ताज 350 वर्ष आयोजन'' के रूप में मनाने का निर्णय लेते हुए इसके अन्तर्गत वर्ष–पर्यन्त विभिन्न यादगार आयोजन कराने की महत्वाकांक्षी रणनीति बनायी गयी।
2. ***''ताज 350 वर्श आयोजन''*** को एक विशिष्ट आयोजन के रूप में देश–विदेश के पर्यटकों के बीच प्रचारित कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भारत सरकार से योजनाबद्ध समन्वय स्थापित कर ताजमहल को रात्रि में खोलेने एवं ताजमहल, किला, सिकन्दरा और फतेहपुर सीकरी जैसे स्मारकों के सानिध्य में ***''ताज 350 वर्श आयोजन''*** के आयोजन करवान हेतु स्वीकृति प्राप्त करने के प्रयास कराये गये। इन प्रयासों के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश सरकार को भारत सरकार से आगरा के किले, सिकन्दरा और फतेहपुर सीकरी में ***''ताज 350 वर्श आयोजन''*** को आयोजित करवाने की अनुमति प्राप्त हुई जो उत्तर प्रदेश सरकार के लिए एक महतवपूर्ण उपलब्धि रही।
3. ***''ताज 350 वर्श आयोजन''*** के आयोजनों का पहली बार राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय प्रिण्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं पर्यटन साहित्य के माध्यम से वृहद स्तर पर सुनियोजित प्रचार–प्रसार होने के फलस्वरूप आगरा में विदेशी पर्यटकों के आगमन में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
4. मुम्बई एवं दिल्ली में आयोजित हुए प्रतिष्ठाजनक अप्रवासी भारतीय सम्मेलनों में उत्तर प्रदेश के पर्यटन आकर्षणों एवं प्रदेश की पूंजी–निवेश की अपरिमित संभावनाओं से परिचित कराने हेतु विशेष रूप से प्रयास किये गये। इसके अन्तर्गत सम्मेलन में भागीदारी करने वाले प्रतिनिधियों के समक्ष पहली बार पूंजी–निवेश हेतु वृन्दावन में कान्हा कुंज का पर्यटन विकास, अयोध्या में अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं पर्यटन संकुल की स्थापना, सूफी परिपथ में पर्यटन विकास, आगरा–लखनऊ–अयोध्या–वाराणसी में कन्वेशन केन्द्रों की स्थापना तथा सास्कृतिक सम्पर्क स्थापना जैसे विशिष्ट योजनाएं प्रस्तुत की गई।
5. प्रदेश की विभिन्न पर्यटन विकास योजनाओं के लिए केन्द्रीय योजना के अन्तर्गत भारत सरकार से 1.61 करोड रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त होने का लक्ष्य था जिसमें गोरखपुर में आधुनिक स्वागत केन्द्र के निर्माण, वाराणसी में अस्सी घाट के जीर्णोद्वार गढ़मुक्तेश्वर में ब्रजघाट के पर्यटन विकास, मथुरा में राधाकुण्ड तथा श्यामकुण्ड के जीर्णोद्धार एवं कानपुर में बिठूर के पर्यटन विकास हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त हुई।
6. प्रदेश में पर्यटकों को स्तरीय एवं उनके बजट के अनुरूप सुविधायें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश के गैर सितारा श्रेणी के होटलों/अतिथि गृहों एवं रेस्टोरेण्टों को वर्गीकृत करने का पहली बार निर्णय लिया गया ताकि प्रदेश के भ्रमण के समय पर्यटकों को अधिकाधिक स्तरीय व गुणवत्तापरक आवासीय और भोजन–जलपान की सुविधाएं सहज रूप से सुलभ हो सके।

7. विभाग द्वारा ताजमहल पर प्रकाि"ात कराये गये आकर्षक पोस्टर को ट्रेवल ट्रेड की प्रतिष्ठाजनक संस्था–आयटों के आगरा में सम्पन्न हुए महत्वपूर्ण समारोह में 'बेस्ट पोस्टर' से सम्मानित किया गया।
8. उत्तर प्रदे"ा की सांस्कृतिक विरासत और परम्पराओं को प्रचारित–प्रसारित कराकर उनके माध्यम से दे"ा–विदे"ा के पर्यटकों को उत्तर प्रदे"ा के भ्रमण पर आने के लिए प्रेरित करने के उद्दे"य से विभिन्न स्थानों पर महोत्सवों के आयोजन करवाए जाते हैं। इसके अन्तर्गत इस वर्ष वाराणसी में गंगा महोत्सव, लखनऊ महोत्सव, झांसी में आयुर्वेद महोत्सव, आगरा में ताज महोत्सव, इलाहाबाद में जलक्रीड़ा महोत्सव के आयोजन कराये गये।
9. प्रदे"ा की वि"ाालता, विविधता और पर्यटन की असीम संभावनाओं से परिपूर्ण महत्वपूर्ण स्थानों के उल्लेखनीय पर्यटन विकास व प्रचार–प्रसार के उद्दे"य से सूफी परिपथ, महाभारत परिपथ, 1857 प्रथम स्वतंत्रता संगाम परिपथ हस्ताि"ाल्प परिपथ, वन्य–जीव परिपथ आदि जैसे परिपथों की परिकल्पना हेतु प्रयास कराये गये ताकि प्रदे"ा में अन्य अनेक कम प्रचारित (लेसर नोन) पर्यटक स्थल विकसित होकर भ्रमणार्थ सुलभ हो सकें।
10. उत्तर प्रदे"ा को जहां भगवान राम–कृष्ण–बुद्ध से सम्बन्धित होने का गौरव प्राप्त है, वहीं यहां रामायण एवं महाभारत कालीन स्थलों के अव"ोष भी उपलबध हैं जो नि"चय ही पर्यटकों के लिए एक दुर्लभ आकर्षण हैं। इस क्रम में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के माध्यम से मेरठ जनपद में महाभारत कालीन पुरातात्विक स्थलों के अन्वेषण का कार्य प्रारम्भ कराया गया ताकि महाभारत कालीन इतिहास और उत्तर प्रदे"ा के सम्बन्धों पर शोधपरक प्रका"ा पड़ सके।
11. उत्तर प्रदे"ा की सुनियोजित पर्यटन मार्केटिंग कराने के उद्दे"य से इस वर्ष नई दिल्ली स्थित दिल्ली हाट में कबाब महोत्सव एवं आम्र व्यंजन महोत्सव के सफल आयोजन कराये गये। इन आयोजनों से जहां उत्तर प्रदे"ा की एक वि"ाष्ट छवि दिल्ली के नागरिकों के बीच उभरी, वहीं उत्तर प्रदे"ा पर्यटन को इस बात की उपलब्धि प्राप्त हुई कि उसने अन्य आम महोत्सवों से अलग हटकर आम पर आधारित विभिन्न दुर्लभ शाकाहारी एवं मांसाहारी मधुर व्यंजनों को पहली बार दिल्ली में उपलब्ध करवाया। विभाग का यह प्रयास है कि इसी प्रकार के पर्यटकों को आकर्षित करने वाले अन्य आयोजन भी भविष्य में निरन्तर आयोजित होते रहें ताकि उत्तर प्रदे"ा की संस्कृति और कलाओं का अधिकाधिक रूप से प्रचार–प्रसार हो सके।
12. राज्य सेक्टर की प्रस्तावित योजनाओं में इटावा में सुमेर सिंह किले में पर्यटन कॉम्पलेक्स का निर्माण, वाराणसी में ओपेन एयर थियेटर का निर्माण एंव अर्बन हाट की स्थापना, गोरखपुर में आधुनिक स्वागत केन्द्र का निर्माण, इटावा में सैफई में तालाब का सौन्दर्यीकरण, बागपत (मेरठ) में यमुना नदी के घाटों का निर्माण तथा विकास एवं संचालित पर्यटक आवास गृहों का उच्चीकरण प्रमुख हैं। नये कार्यों के अन्तर्गत प्रमुख रूप से मुजफ्फरनगर में इसोपुर टीले का पर्यटन विकास, मेरठ में शहीद स्मारक पर क्रान्ति पार्क की स्थापना, अयोध्या में जन–सुविधाओं का सृजन तथा मेरठ में ध्वनि एवं प्रका"ा कार्यक्रम प्रस्तावित हैं
13. उत्तर प्रदे"ा के पर्यटन आकर्षण एवं संभावनाओं की प्रभावी मार्केटिंग कराने के उद्दे"य से मा0 पर्यटन मंत्री जी की अध्यक्षता में एक दल द्वारा आई.टी.बी. बर्लिन के कार्यक्रम में भागीदारी की गई एवं ग्रीस और इटली में रोड–"ाो आयोजित कराये गये।
14. उत्तर प्रदे"ा को भगवान बुद्ध के शै"ाव, सम्बोधि, धमचक्र प्रवर्तन, नि"ाक्षाओं तथा महापरिनिर्वाण से सम्बन्धित सभी स्थलों के सानिध्य का गौरव प्राप्त है। इस दृष्टि से यह अवसर नि"चय ही राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों, वि"ोष रूप से बौद्ध पर्यटकों तथा पर्यटन उद्योग से जुड़ी संस्थाओं को उत्तर प्रदे"ा के बौद्ध पर्यटक स्थलों की ओर प्रभावी रूप से आकर्षित करने का महत्वपूर्ण साधन होगा।
15. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े हुए उत्तर प्रदे"ा के विभिन्न पर्यटन स्थलों के प्रचार–प्रसार एवं विकास के उद्दे"य से नियोजित रूप से निरन्तर विचार–विम"ा की प्रक्रिया की जा रही है।
16. उत्तर प्रदे"ा के पारम्परिक आकर्षणों के माध्यम से पर्यटकों को आकर्षित कराने हेतु आगरा एवं लखनऊ में तांगा हेरिटेज टुअर सुविधाओं की शुरूआत कराई गई।
17. यातायात व्यवस्था में सुधार की दृष्टि से हवाई अड्डों के विस्तार और आधुनिकीकरण, विमान सेवाओं की संख्या में वृद्धि, सड़क और रेल परिवहन आदि के विस्तार के सम्बन्ध में अनेक नीतिगत निर्णय लिये गये हैं।

केन्द्रीय एवं राज्य सरकारों के समवेत प्रयास से जो पर्यटन उद्योग कुछ समय पूर्व तक उपेक्षित था वर्तमान में नित नयी उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहा है। एक ओर तो यह उद्योग दे"ा की रोजगाार क्षमता में वृद्धि करता है तथा दूसरी ओर दे"ा की धार्मिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहरों को सुरक्षित रखने का कार्य भी करता है।

निश्कर्श

इस प्रकार पर्यटन उद्योग न केवल राष्ट्रीय आय में वृद्धि का माध्यम है वरन् इसके द्वारा बड़ी मात्रा में रोजगार सृजन किया जाना भी संभव है। उत्तर प्रदे"ा के ऐतिहासिक महत्व तथा यहाँ के विभिन्न शहरों के प्राकृतिक सौन्दर्य को देखते हुये यहाँ पर पर्यटन उद्योग के विकास की असीम संभावनायें दिखायी देती हैं तथा इस क्षेत्र में रोजगार सृजन के भी पर्याप्त अवसर प्रतीत होते हैं, इसके लिये केवल कु"ाल नियोजन तथा दृढ़ इच्छा शक्ति की आव"यकता है। यद्यपि उत्तर प्रदे"ा सरकार द्वारा इस दि"ाा में पर्याप्त प्रयास किये भी गये है परन्तु अभी भी उत्तर प्रदे"ा पर्यटन उद्योग की रोजगार उत्पादक क्षमता के पूर्ण विदोहन के लिये बहुत कुछ किया जाना संभव है।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. *महन्त जर्नादन; इण्ड़ियन टूरिज्म इन्ड़स्ट्री ऑउटलुक; ग्लोबल विजन पब्लिकॅ"ान, बम्बई; 2005.*
2. *रविन्द्रन, जी0; ह्यूमन रिसॉर्स ड़व्लपमेंट इन टूरिज्म सेक्टर; क्लासिक प्रैस; नई दिल्ली; 2001.*
3. *यादव एवं शर्मा; टूरिज्म एण्ड़ हॉस्पीटिलिटी इन टवन्टी फर्स्ट सेंचुरी; श्री पब्लि"ार्स एण्ड ड़िस्ट्रीब्यूटर्स; नई दिल्ली; 2007.*
4. *खण्ड़ारी एवं शर्मा; टूरिज्म ड़व्लपमेंट–प्रिन्सिपल्स एण्ड़ प्रेक्टिस; श्री पब्लि"ार्स एण्ड ड़िस्ट्रीब्यूटर्स; नई दिल्ली; 2004.*
5. *खण्ड़ारी एवं चन्द्रा; टूरिज्म एण्ड़ सस्टेनेबल डव्लपमेंट; श्री पब्लि"ार्स एण्ड ड़िस्ट्रीब्यूटर्स; नई दिल्ली; 2004.*
6. *शर्मा एवं जैन; रिसर्च मैथोडोलोजी; श्री पब्लि"ार्स एण्ड ड़िस्ट्रीब्यूटर्स; नई दिल्ली; 2004.*

पत्रिकाएं

1. *आउटलुक ट्रैवर्ल्स (मासिक), नई दिल्ली।*
2. *द ट्रैवर्ल्स एण्ड़ टूरिज्म (त्रैमासिक); सेंटर फॉर टूरिज्म स्ट्डीज, नई दिल्ली।*
3. *कॉमर्स (साप्ताहिक); कामर्स पब्लिकॅ"ान लि0, मुम्बई।*
4. *योजना (मासिक); योजना भवन, नई दिल्ली।*
5. *द इकॉनोमिक्स टाइम्स (दैनिक); नई दिल्ली।*
6. *अमर उजाला (दैनिक); मेरठ।*
7. *दैनिक जागरण (दैनिक); मेरठ।*
8. *सहारा टाइम्स (साप्ताहिक); आगरा।*
9. *uptourism.com*
10. *www.upgov.nic.in*
11. *www.agra.nic.in*
12. *www.mathura.nic.in*